हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, सोमवार, 9 जून 2025

बंद घर से 8.65 लाख की चोरी, सक्करदरा पुलिस थाने में मामला दर्ज

नागपुर. सक्करदरा थाना क्षेत्र में एक बंद घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने करीब 8.65 लाख की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। यह घटना 5 जून 2025 की रात 10:30 बजे से 6 जून की सुबह 6:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। फरियादी शेख ईरफान शेख महेबूब (32 वर्ष)ठाकूर प्लॉट, टीचर कॉलोनी निवासी हैं, वे परिवार के साथ बड़ी बहन के घर गए हुए थे। इस दौरान उनके घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर चोरों ने घर में प्रवेश किया और बेडरूम में रखी अलमारी से 1,00,000 नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण मिलाकर कुल 8,65,000 का माल चोरी कर लिया। फरियादी की शिकायत पर सक्करदरा पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है ।

जल संरक्षण के लिए 'वाटर ग्रिड' की जरूरत : नितिन गडकरी

नागपुर.

समाज की हर समस्या विश्वविद्यालय की है: डॉ. प्रशांत बोकारे

समाज की हर जरूरत और समस्या विश्वविद्यालय की समस्या है, यह जानते हुए भी इस समस्या पर मंथन और शोध करके विश्वविद्यालय कड़ी मेहनत कर सकता है, ऐसा गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रशांत बोकारे ने कहा। प्रवेश, परीक्षा और परिणाम ही विश्वविद्यालय का काम नहीं है, बल्कि परीक्षा हॉल में उत्पन्न होने वाली सामाजिक समस्याओं को हल करना भी विश्वविद्यालय का काम है। उन्होंने विदर्भ में जल संकट के मुद्दे पर पहली बार सम्मेलन आयोजित करने के लिए राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि कैसे गोंडवाना विश्वविद्यालय के माध्यम से जल उपयोग संगठनों ने काम किया और 398 ग्राम सभाओं को सशक्त बनाया और कैसे तेंदू के पत्तों को 25 प्रतिशत अधिक कीमत मिली। उन्होंने लोअर वर्धा परियोजना के जलग्रहण क्षेत्र में जल उपयोग संगठनों के साथ काम करने की अपील की।

जल संरक्षण के लिए 'वाटर ग्रिड' बनाने की आवश्यकता केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने व्यक्त की। राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग और जनकल्याणकारी समिति नागपुर ने संयुक्त रूप से वनमती हॉल में 3 दिवसीय विदर्भ जल सम्मेलन का आयोजन किया है। जल सम्मेलन के दूसरे दिन, रविवार को गडकरी आयोजित कृषि जल सम्मेलन का मार्गदर्शन कर रहे थे। कृषि जल परिषद के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, विधायक डॉ. संजय कुंटे, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. माधवी खोड़े चावरे (भाप्रसे), गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रशांत बोकारे, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शरद गडाख, राज्यपाल मनोनीत प्रबंध परिषद के सदस्य डॉ. समय बंसोड, संगोष्ठी के वक्ता डॉ. विजय शरद देशमुख, परिषद की संयोजिका एवं अधिभा की सदस्य शुभांगी नक्षिणे उंबरकर थीं।राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित विदर्भ जल सम्मेलन के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए 'वाटर ग्रिड' बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि विदर्भ में कृषि उत्पादकता बढ़ानी है, तो जल का वैज्ञानिक और व्यापक प्रबंधन जरूरी है। गडकरी ने बताया कि किसानों की आत्महत्याओं के पीछे सिंचाई की कमी और कपास के गिरते दाम जैसे कारण जिम्मेदार हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री सिंचाई योजना और बलिराजा योजना के माध्यम से 16,000 करोड़ रुपये से अधिक के सिंचाई प्रकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाएं। "गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रहे," इस सोच को अपनाने पर बल दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान अकोला जिले में कृषि विश्वविद्यालय की भूमि पर बनाए गए खेत तालाबों के चलते सिंचाई क्षेत्र 350 हेक्टेयर से बढ़कर 1200 हेक्टेयर हो गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि बुलढाणा-अजंता मार्ग पर बनाए गए तालाब से 17 हजार चरवाहों का पलायन रुक गया है। राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में गडकरी ने जल संरक्षण, जैविक खेती, सीएनजी, हाइड्रोजन उत्पादन और बांस से बिजली निर्माण जैसे नवाचारों पर बल दिया। उन्होंने छात्रों से समाज की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि "विदर्भ में एक भी किसान आत्महत्या न करे, इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।"

जल उपयोग संगठन के माध्यम से जल संरक्षण

सम्मेलन के प्रथम वक्ता डॉ. विजय शरद देशमुख तथा द्वितीय वक्ता अधिसभा सदस्या शुभांगी नक्शिने ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि किसान जल उपयोग संस्थाओं के माध्यम से जल का उपयोग करें तो इससे जल की बर्बादी कम होगी तथा जल संरक्षण होगा। 'विदर्भ में कृषि में जल का उचित उपयोग तथा इसमें जल उपयोग संस्थाओं की भूमिका' विषय पर प्रस्तुति देते हुए वक्ताओं ने जल उपयोग संस्थाओं के निर्माण, जल का उचित उपयोग तथा जल उपयोग संस्थाओं के उचित प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमृता इंदूरकर ने किया, जबकि आभार ज्ञापन अधिसभा सदस्या डॉ. विजय इलोरकर ने किया।

ओडिशा का गांजा तस्कर 'व्हाट्सएप भाई' गिरफ्तार

नागपुर.

ओडिशा के गांजा तस्कर बुलबुल उर्फ वाटसएप भाई सुकान्ता प्रधान (24) बिसनाथपुर बिराचंद्रपुर , रेराखोल पुलिस स्टेशन, संभलपुर ओडिशा निवासी को कलमना पुलिस ने गिरफ्तार कर नागपुर लाया। न्यायालय में 7 जून को कलमना पुलिस ने आरोपी को पेश कर उसका 12 जून तक पुलिस रिमांड हासिल किया है। आरोपी बुलबुल के साथी अविनाश संजय ढोके (34) प्लॉट नंबर 690 , आनंदनगर , बिनाकी यशोधरानगर और पलाश विद्याधर वानखेडे (31) प्लॉट नंबर 25, सूर्योदय नगर , नरसाला रोड नागपुर निवासी को इसके पहले ही कलमना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, यह दोनों 9 जून तक पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक अविनाश और गांजा तस्कर पलाश की निशानदेही पर ओडिशा से आरोपी गांजा तस्कर बुलबुल को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी बुलबुल से अविनाश ने अपनी ट्रक में किराना सामान के अंदर 27 लाख रुपए का 108 किलो गांजा लादकर लाया था। यह माल पलाश को कलमना के चिखली चौक में देते समय पुलिस ने अविनाश और पलाश को जाल बिछाकर दबोच लिया था। यह कार्रवाई कलमना के वरिष्ठ थानेदार प्रवीण काले के नेतृत्व में की गई थी। ओडिशा के गांजा तस्कर बुलबुल उर्फ वाटसएप भाई को गिरफ्तार करने कलमना थाने के डीबी स्क्वाड के उपनिरीक्षक संतोष कुमार रामलोद, हवलदार रविकुमार शाहू, प्रदीप पवार, मंगेश लोही, संदीप ढाले, संतोष पांडे , पुलिस परिमंडल 5 के साइबर सेल के सिपाही सचिन तांगले, आशीष पिपरहेटे ने महती भूमिका निभाई।

पुलिस ने की बैंकवर्ड और फारवर्ड लिंक की जांच : गांजा तस्करी में लिप्त उक्त तीनों आरोपियों को धरदबोचने के लिए कलमना पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार प्रकरण में आरोपियों के बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक की जांच करने के बाद तीनों को धरदबोचा। इस मामले में और भी आरोपियों के होने की संभावना है।

आरबीएल बैंक ने 100 छात्राओं को साइकिलें वितरित की

नागपुर.

आरबीएल बैंक ने अपनी दो प्रमुख सीएसआर पहलों – 'उम्मीद' और 'धन्वंतरि' के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन पहलों के तहत, बैंक ने नागपुर में 100 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं और घरेलू कार्यबल के लिए मोबाइल हेल्थकेयर वैन सेवा शुरू की।

'उम्मीद' पहल के अंतर्गत, बैंक ने नागपुर में वंचित वर्ग की 100 छात्राओं को साइकिलें प्रदान कीं। इन साइकिलों के माध्यम से छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी। वर्ष 2023 से अब तक, बैंक ने भारतभर में 4,800 से अधिक साइकिलें और स्कूल किट वितरित किए हैं। इस आयोजन में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि, जिनमें बालकृष्णन नटराजन (सीएसआर प्रमुख), अंशुल चांडक (कोषागार प्रमुख), और रोहित अग्रवाल (एफआईजीयू प्रमुख) शामिल थे। आर. सुब्रमणियमकुमार, प्रबंध निदेशक और सीईओ, आरबीएल बैंक ने कहा: "हम समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए निरंतर और सोच-समझकर की गई सीएसआर पहलों के माध्यम से प्रतिबद्ध हैं। हमारा मानना है कि सच्ची प्रगति तब होती है जब हम उन लोगों को सशक्त बनाते हैं जो अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। 'उम्मीद' और 'धन्वंतरि' के माध्यम से हम शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में मौजूद बाधाओं को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। नागपुर में आयोजित यह संयुक्त कार्यक्रम हमारे समावेशी समाज की कल्पना को दर्शाता है, जहां शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं सभी तक आसानी से पहुंच सकें।"

आरबीएल बैंक की यह पहल समाज के वंचित वर्गों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

'धन्वंतरि' पहल: स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच

'धन्वंतरि' पहल के तहत, बैंक ने नागपुर में घरेलू और सहायक कार्यबल के लिए मोबाइल हेल्थकेयर वैन सेवा शुरू की। इस सेवा के माध्यम से 6 से 8 जून 2025 तक 1,200 से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दृष्टि जांच, डॉक्टर से परामर्श और निवारक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की जाएगी।

वाहन चोरी में लिप्त मिला नाबालिग

5 दोपहिया वाहन बरामद

नागपुर.

गणेशपेठ पुलिस थाने की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने न केवल शिकायत में दर्ज चोरी की गई बाइक को बरामद किया है, बल्कि आरोपी से पूछताछ के दौरान अन्य स्थानों से चुराई गई कुल 5 मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फिर्यादी प्रविण चंदनजी गौडिया (उम्र 41 वर्ष बजेरीया, गणेशपेठ निवासी ने अपनी काली रंग की होंडा सी.बी. शाइन (एम एच-49- बीजे-8039) बाइक दिनांक 24 मई 2025 की शाम 6:30 बजे के आसपास घर के सामने लॉक कर खड़ी की थी। अगली सुबह बाइक गायब मिलने पर उन्होंने आसपास तलाश की, पर बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इस पर दिनांक 5 जून 2025 को उन्होंने गणेशपेठ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की टीम 5 जून को पेट्रोलिंग के दौरान मध्यवर्ती बस स्थानक के पास एक संदिग्ध किशोर को एक बाइक पर बैठे हुए देख कर पूछताछ के लिए रोका। पूछने पर उसने कबूल किया कि उक्त बाइक उसने बजेरीया इलाके से चोरी की थी। उससे सख्ती से पूछताछ करने पर उसने और भी बाइक चुराने की बात स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने न कुल 5 वाहन जब्त किए। जिनकी कुल कीमत 1,85,000 बताई जा रही है। इस कार्रवाई को पुलिस उपायुक्त परिमंडल 3 महक स्वामी व सहायक पुलिस आयुक्त अनीता मोरे के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मच्छींद्र पंडित, पुलिस उप निरीक्षक मल्हारी डोईफोडे, पुहवा समीर शेख, पुशि वैभव यादव, दलीत लोखंडे और पवन मालखेडे ने अंजाम दिया।

धंतोली में दिनदहाड़े लूट की वारदात सुलझी, तीन आरोपी गिरफ्तार

> फार्मेसी के कर्मचारी ने साथियों को दी थी टिप

नागपुर.

शहर के धंतोली थाना क्षेत्र में हुई जबरन लूट की घटना का पुलिस ने 24 घंटों के भीतर ही खुलासा कर लिया है। दिनदहाड़े हुए इस अपराध में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की नकदी, दुपहिया गाड़ी चाकू और तीन मोबाइल फोन बरामद किये गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी पवन सुरेश नरांजे (38) लालपेठ,अजनी निवासी एसआयएस प्रोसेसर होल्डिंग प्रा. लि. कंपनी में कॅश पिकअप कर्मचारी के तौर पर कार्यरत हैं, 3 जून की दोपहर वे गेटवेल हॉस्पिटल फार्मसी से ₹0,000 नकद लेकर उसे बैंक में जमा करने जा रहे थे। इस दौरान अभ्यंकर नगर रोड पर दो अज्ञात युवक डियो गाड़ी पर उनका पीछा करते हुए आए और चाकू की नोंक पर उनसे नकदी और जरूरी दस्तावेजों से भरा बैग लूट कर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए धंतोली पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए इलाके के करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की और एक संदिग्ध को पहचान लिया। आरोपी तुषार उर्फ धरमा रंजीत मेश्राम (20) जुना फुटाळा वस्ती, का रहने वाला था और उसका चोरी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड था। पुलिस ने उसे ढूंढ कर गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में तुषार ने अपने साथी समीर विजय कावले (22) द्विवेदी कॉलोनी, आदिवासी नगर गिट्टी खदान के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम देने की कबूली दी। जिसे भी बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों की पूछताछ में खुलासा हुआ कि लूट की इस साजिश में गेटवेल फार्मसी का ही कर्मचारी अमन दादराव तोडसाम(24) फुटाला, अंबाझरी निवासी शामिल था, उसने ही लूट के लिए जरूरी जानकारी अपने साथियों को दी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से लूट का सामान सहित 1,05,100 रुपये के माल को बरामद कर लिया गया है.

हंसराज सपोर्टिंग क्लब की नई कार्यकारिणी घोषित

दीपक पटेल अध्यक्ष और अरविंद कक्कड़ सचिव चुने गए (2025 - 2028)

नागपुर.

आगामी 2025-26 सत्र में हंसराज क्लब की टीम नागपुर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन (एनडीएफए) द्वारा आयोजित लीग टूर्नामेंट में शिरकत करेगी। वार्षिक आम सभा की बैठक बजरिया निवासी पूर्व नगर सेवक दीपक पटेल के आवास पर आयोजित की गई जिसमें चार वर्ष के लिए 2025-26 से 2027-28 तक नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।अध्यक्ष- दीपक पटेल, उपाध्यक्ष - रामलाल गौर, सचिव - अरविंद कक्कड़, सहसचिव - धनराज एटा, कोषाध्यक्ष - जोसेफ और कार्यकारिणी सदस्य :- श्यामलाल गौर, संजय बैनर्जी (बच्चू भाई),माइकल डेविड, सुनील काले, तनवीर अहमद, गोकुल गौर (संस्कृति सचिव), विनीत शर्मा नागपुर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा जारी किये गए नए दिशा निर्देश के अनुसार उसी फुटबॉल क्लब को इस सत्र में खेलने की अनुमित होगी जिसका पंजीकरण धर्मादाय आयुक्त कार्यालय ने किया है।

विदर्भ में भीषण गर्मी

नागपुर में पारा 43 डिग्री के पार

नागपुर.

विदर्भ की धरती इन दिनों झुलस रही है। नागपुर में पारा 43 डिग्री सेल्सियस को छू गया है, जो औसत तापमान से करीब 1.3 प्रतिशत अधिक है। इसी के साथ नागपुर पूरे विदर्भ में सबसे गर्म जिला साबित हुआ। लगातार बढ़ती गर्मी ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। न सिर्फ नागपुर, बल्कि पूरा विदर्भ क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि रविवार को नागपुर का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आम तौर पर जून महीने में नागपुर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसी के मद्देनजर रविवार को तापमान ने इस सीजन का नया रिकॉर्ड बना दिया है। अप्रैल महीने में नागपुर का तापमान 43 डिग्री पहुंचा था।" विदर्भ के अन्य जिलों की बात करें अधिकतर जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अमरावती 41.6, चंद्रपुर 42, अकोला 41.2, यवतमाल 40.6, वर्धा 41.5, भंडारा 41.6, बुलढाणा 36.4, वाशिम 36.8, गडचिरोली 39.8 और गोंदिया 42.1 तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, बुलढाणा और वाशिम जिले को छोड़कर सभी जिलों में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया है।

शाम में हुई हलकी बारिश : चिलचिलाती धुप और गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा, लोग जरूरी होने पर ही बाहर निकले। हालांकि, शाम को अचानक चाल बदली और आसमान को बादलों ने घेर लिया। वहीं चार बजे केबाद शहर के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। जिससे नागरिकों को थोड़ी राहत मिली।

मानसून की रफ़्तार हुई धीमी

जून का दूसरा सप्ताह शुरू हो चुका है लेकिन अभी तक मानसून की कोई ठोस आहट नहीं दिख रही। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार धीमी है। आमतौर पर नागपुर में जून के पहले या दूसरे हफ्ते तक बारिश की हल्की बूंदें पड़ने लगती हैं, लेकिन इस बार बादल भी नजर नहीं आ रहे। नमी की कमी और तेज धूप के चलते दिन में लू जैसी स्थिति बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी लाने वाली हवाओं की दिशा अभी स्थिर नहीं हुई है। इसका असर पूरे विदर्भ क्षेत्र पर पड़ा है। अनुमान है कि मानसून 14-15 जून तक नागपुर पहुंचेगा।

विहिरगांव में युवक की सिर कुचलकर हत्या

> शव मिलने से इलाके में सनसनी

नागपुर.

शहर के हुड़केश्वर पुलिस थाना अंतर्गत विहिरगांव परिसर में एक मकान से 36 वर्षीय युवक का क्षत-विक्षत हालत में शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान यवतमाल जिले के पिपलगांव निवासी अनिल मधुकर पवार के रूप में हुई है, जो नागपुर में त्रिमूर्ति बार में वेटर का काम करता था। पुलिस के अनुसार, यह हत्या करीब 5 से 6 दिन पहले हुई है। अनिल की हत्या किसी भारी वस्तु से सिर पर वार कर की गई है। शव की हालत देखकर पुलिस ने अंदाजा लगाया है कि शव कई दिनों से कमरे में पड़ा था। स्थानीय लोगों को कमरे से आ रही तेज दुर्गंध के बाद शक हुआ, जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे की तलाशी ली। वहां अनिल का शव खून से सना हुआ पड़ा मिला। कमरे में गैस सिगड़ी और एक हेलमेट पर खून के निशान भी पाए गए हैं, जिससे संदेह है कि उसी से वार कर हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि अनिल 15 मई को नौकरी की तलाश में नागपुर आया था और अपने मित्र राज पवार (के साथ इसी कमरे में रह रहा था। राज पवार विहिरगांव के शिप होटल में वेटर के रूप में कार्यरत है और वह भी यवतमाल का रहने वाला है। घटना के बाद से राज पवार लापता है, जिससे उस पर संदेह और गहरा गया है। पुलिस को आशंका है कि हत्या के पीछे राज पवार का हाथ हो सकता है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। इस जघन्य हत्याकांड से स्थानीय लोग भयभीत हैं और पुलिस से जल्द खुलासे की मांग कर रहे हैं।

कोंढाली, केलापुर और खापा त्रिवेणी संगम पर राख विसर्जन घाट निर्माण की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों ने पहुँच मार्ग निर्माण और सुविधा संपन्न घाट के लिए शासन से की विशेष पहल की मांग

कोंढाली.

कोंढाली, सालई (बुजुर्ग) और खापा ग्रामों के समीप स्थित त्रिवेणी संगम पर राख और अस्थि विसर्जन हेतु सुविधा सम्पन्न घाट निर्माण की मांग ने जोर पकड़ लिया है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार मृत व्यक्ति के शव दाह के बाद राख और अस्थियों को पवित्र नदी अथवा संगम में विसर्जित किया जाता है। किंतु इस क्षेत्र में इस कार्य के लिए कोई समुचित सुविधा नहीं होने के कारण स्थानीय नागरिकों को रामटेक, अंभोरा, कौंडण्यपूर, सोनेपूर जैसे दूरस्थ स्थानों का सहारा लेना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि कोंढाली से सालई (बु) की ओर उत्तरवाहिनी जाम नदी तथा बहिरबाबा देवस्थान के सामने पूर्ववाहिनी दूसरी नदी के संगम स्थल पर राख विसर्जन के लिए उपयुक्त स्थल है। यह स्थान धार्मिक दृष्टि से भी महत्व रखता है, और यहां के संगम स्थल पर घाट निर्माण से क्षेत्र के सैकड़ों गांवों को लाभ होगा।

प्रमुख नागरिकों ने उठाई आवाज, इस मांग को लेकर समाजसेवक प्रभूदयाल शर्मा, निरंजन अंतुरकर, वीरेंद्र सिंह व्यास, कृष्णराव भांगे, राजेंद्र सिंह (बालासाहब) जाधव, हरिभाऊ वैद्य, प्रकाशराव कालबांडे, रमेश वंजारी, दुर्गा प्रसाद पांडे, बाल किशन पालीवाल, निम्मत पाटील ठवळे, नरेश राऊत, मोहनराव ठवले, नरेश शेंगर, उत्तम गिडकर, प्रमोद चाफले, सुरेश वंजारी, सुभाष गुप्ता, प्रमोद आष्टणकर सहित कोंढाली नगरवासियों और समीपवर्ती गांवों के नागरिकों ने शासन से गुहार लगाई है। इन सभी नागरिकों की एकजुट मांग है कि जल्द से जल्द संगम स्थल पर राख विसर्जन घाट और पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो, जिससे धार्मिक कार्यों के लिए नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यदि इस मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो नागरिक जनआंदोलन करने के लिए भी तैयार हैं।

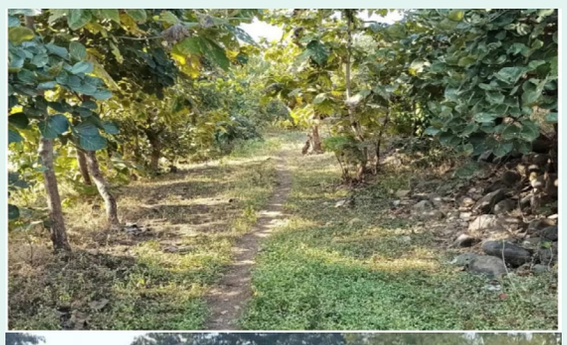

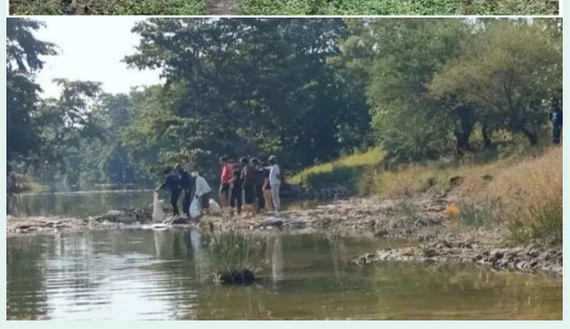

राख विसर्जन के लिए सुविधा सम्पन्न घाट की मांग

कोंढाली, सालई (बु) और खापा गांवों के मध्य स्थित संगम क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त राख विसर्जन घाट का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। नागरिकों का कहना है कि इस संगम स्थल पर घाट निर्माण से मृतकों के परिजनों को धार्मिक विधियों के पालन के लिए समुचित स्थान मिल सकेगा। इस हेतु जनसुविधा निधि से घाट निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की जाए और जल्द से जल्द काम शुरू हो यह मांग क्षेत्र के समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा की गई है।

पहुँच मार्ग निर्माण भी हो जरूरी

बहिरबाबा देवस्थान के सामने से संगम स्थल तक जाने के लिए कोई उचित मार्ग नहीं है। वर्तमान में वहाँ पहुँचने के लिए नागरिकों को कठिन रास्तों से गुजरना पड़ता है, जो विशेषकर वृद्ध और महिलाओं के लिए परेशानी भरा होता है। इस समस्या को देखते हुए अंदाजन डेढ़ किलोमीटर लंबे पहुँच मार्ग के निर्माण की भी मांग की जा रही है। नागरिकों की मांग है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग का सर्वेक्षण कराकर इसे काटोल राज्य मार्ग से जोड़ने का काम किया जाए। इसके लिए जिला नियोजन समिति, स्थानीय विधायक, सांसद, जिला परिषद सदस्यों तथा ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा समन्वय कर आवश्यक बजट मंजूर करवाया जाए।

ध्रुव बहु उद्देश्यी संस्था ने किया पर्यावरण परक वृक्षारोपण

कामठी. ध्रुव बहुउद्देशीय विकास संस्था कामठी द्वारा नरेश पारवानी की अध्यक्षता मे श्री गंज के बालाजी मंदिर प्रांगण व मोक्ष धाम कामठी में पर्यावरण के उपलक्ष पर शनिवार को वृक्षारोपण कर ट्री-गार्ड लगाने का कार्य किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा कामठी शहर अध्यक्ष मंगेश यादव, सुनील खानवानी, संजय कनोजिया, विवेक मंगतानी, राज हाड़ोती, लालसिंह यादव, उज्ज्वल रायबोले, द्वारका पारवानी, जय सुखीजा, जितेंद्र खोबरागड़े, विजय कनोजिया, आयुष शेडे आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से उपस्थिति थे। कार्यक्रम सफलता हेतु पर्यावरण प्रेमी वैभव अग्रवाल, राजेश ठाकुर, धीरज सोलंकी, योगेश गायधने, प्रीति कुल्लरकर, अमित चावला, अनुराग हटीका, फिरोज अंसारी, पियूष बांगर, मनोज कनोजिया, दामोदर भगत सहित संस्था पदाधिकारीगण उपस्थिति रहे। वहीं संजय चैनानी द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी पर्यावरण प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी निरंतर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

प्रणय में लिप्त नाग-नागिन के दुर्लभ दृश्य

सर्पमित्र हितेश बनसोड ने सुरक्षित किया रेस्क्यू

सावनेर.

सावनेर-नागपुर मार्ग स्थित ग्राम गुजरखेड़ी के पास सावनेर पब्लिक स्कूल के समीप बीते कुछ दिनों से एक अद्भुत और दुर्लभ दृश्य लोगों को देखने को मिल रहा था। करीब 8 से 9 फीट लंबे धामन प्रजाति के नाग-नागिन का जोड़ा प्रेमालाप (प्रणयक्रीड़ा) में लीन दिखाई दे रहा था। यह दृश्य कई बार देखने को मिला और 7 जून की शाम को जब पुनः यह जोड़ा प्रणयक्रीड़ा करता दिखा तो वहां स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दृश्य की जानकारी मिलते ही हितज्योती आधार फाउंडेशन के संस्थापक और अनुभवी सर्पमित्र हितेश बनसोड मौके पर पहुंचे।

उन्होंने पूरी सतर्कता और कुशलता से नाग-नागिन के इस जोड़े को पकड़ा और उन्हें खापा वनपरिक्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया। इस कार्य से उन्होंने न सिर्फ वन्यजीवों के प्रति अपने प्रेम को दर्शाया बल्कि पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया। ध्यान देने योग्य है कि गर्मी और मानसून का समय सर्प प्रजातियों का प्रजनन काल होता है। इस दौरान अक्सर नाग और नागिन प्रणय में लीन देखे जाते हैं। दुर्भाग्यवश, समाज में कुछ लोग अंधविश्वास के कारण इन दृश्यों को गलत नजर से देखते हैं और सर्पों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग तो ऐसे जीवों को मारने तक का प्रयास करते हैं। सर्पमित्र हितेश बनसोड ने इस अवसर पर समाज से अपील की है कि सर्पों को लेकर फैले अंधविश्वास से बाहर निकले और इन जीवों को मित्र समझें। उन्होंने कहा, "सांप हमारे पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी हैं। ये जैविक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर कहीं सांप दिखाई दे तो घबराएं नहीं, उन्हें मारने की बजाय अपने नजदीकी सर्पमित्र से संपर्क करें।"

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि धामन प्रजाति के सांप विषहीन होते हैं और आमतौर पर मनुष्यों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। उनका उद्देश्य केवल अपना अस्तित्व बनाए रखना होता है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रकृति के सभी जीव हमारे जीवन चक्र के अभिन्न अंग हैं और उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। सर्पमित्र जैसे हितेश बनसोड का कार्य न केवल सराहनीय है बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी है।

बिजलीघर में निजी कंपनी के सुपरवाइज़र को दिल का दौरा, इलाज के दौरान मौत

कामगार वर्ग में शोक व चिंता का माहौल

खापरखेड़ा.

खापरखेड़ा स्थित बिजलीघर में कार्यरत एक निजी कंपनी के सुपरवाइज़र की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना शनिवार, 7 जून की सुबह की है और इससे स्थानीय कामगार वर्ग में शोक और चिंता का माहौल फैल गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम धम्मरतन रामटेके (उम्र 35 वर्ष) था, जो नागपुर के ओमनगर क्षेत्र के निवासी थे। वे खापरखेड़ा बिजलीघर में कार्यरत वैष्णवी इंजीनियरिंग कंपनी में सुपरवाइज़र के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह वे रोज़ की तरह ड्यूटी पर पहुंचे थे। कार्य के दौरान अचानक उन्हें सीने में तेज़ दर्द की शिकायत हुई। तत्काल उन्हें बिजलीघर के प्राथमिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए उन्हें नागपुर के मानकापुर स्थित एक निजी 'कुणाल हॉस्पिटल' में रेफर किया गया। लेकिन दुर्भाग्यवश, इलाज के दौरान ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तबीयत थी पहले से नासाज़

धम्मरतन रामटेके की तबीयत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। वे इलाज ले रहे थे और कुछ समय से ड्यूटी से अनुपस्थित थे। जब तबीयत में थोड़ा सुधार हुआ, तो उन्होंने 7 जून को दोबारा काम पर लौटने का निर्णय लिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, पहले ही दिन ड्यूटी के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि काम की जगहों पर कर्मचारियों की सेहत और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं।

धम्मरतन रामटेके का शव पोस्टमार्टम के लिए नागपुर के शासकीय मेयो अस्पताल भेजा गया है। उनके परिवार में पत्नी और 5 वर्षीय एक बेटी है। इस दुखद घटना के बाद खापरखेड़ा क्षेत्र में काम कर रहे अन्य मजदूरों और कर्मचारियों में चिंता का माहौल देखा गया। कामगार संगठनों ने इस घटना पर शोक जताते हुए भविष्य में कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण और मेडिकल सुविधाओं को प्राथमिकता देने की मांग की है।

उभरते सितारे में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित

नागपुर.

पर्यावरण का सबसे महत्वपूर्ण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस वर्ष प्लास्टिक से बचाव की थीम रखी गई थी। हमारी दुनिया को प्लास्टिक ने रंगों से रंग-बिरंगा कर दिया है। बाहर के जंक और पैक्ड फूड के खाने की वजह से प्लास्टिक का चलन हमारे खाने में भी आ गया है। आज प्लास्टिक का माइक्रो पार्टिकल्स हर शरीर में मौजूद है।

जिसे सभी को कई बीमारियों ने घेर लिया है। प्लास्टिक को डीकंपोज करना चाहिए लेकिन हम नहीं करते। जिसके कारण शरीर में डीएनए भी प्रभावित हो रहा है। आज इंडस्ट्री से निकलने वाले पानी और जहरीले केमिकल के कारण नदियां और पीने का पानी भी प्रदूषित हो गया है। अपने जन्मदिन पर या किसी विशेष दिन पर सभी ने एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। यह विचार अरुण खोब्रागडे ने बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच रखे। विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन का नवोदित प्रतिभाओं को समर्पित उपक्रम 'उभरते सितारे' का आयोजन हिंदी मोर भवन के उत्कर्ष हॉल में किया गया।

कार्यक्रम का विषय 'पर्यावरण संरक्षण' पर आधारित ज्ञानवर्धक, मनोरंजन और संगीतमय प्रस्तुतियों से भरा रहा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप मे कोल इंडिया के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, सेवानिवृत अधिकारी अरुण खोब्रागडे जी उपस्थित थे। इनका सम्मान संयोजक युवराज चौधरी ने स्मृति चिन्ह देकर किया। सर्वप्रथम, कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए, प्रशांत शंभरकर ने 'पर्यावरण संरक्षण' पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कुछ बच्चों को पर्यावरण पर उनकी प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत भी किया गया। तत्पश्चात, बच्चों ने भी इस विषय पर अपने विचार रखते हुए अपने गीतों और नृत्य से सबको प्रभावित किया। जिसमें, खुशी आटे ने अंग्रेजी में तथा, अर्नव बागल ने पर्यावरण पर हिंदी में कविता सुनाई। रंजन बेहेरा, जगदीश दळवी, सौम्य बेहरा, राम बागल, चिन्मय बेहरा और आदित्य मींज ने बाहरदार गीतों से सबका दिल जीत लिया।

बच्चों की प्रस्तुतियों को उनके अभिभावकों के साथ-साथ प्रीति बागल, मीनाक्षी केसरवानी, विलास मोहरकर, ज्योति खोब्रागडे, निशा जगदीश दलवी, सुरेश मिंज, गीता मिंज, कृष्ण कुमार, मुन्ना ठाकरे, शालिनी तेलरांधे, वैशाली मदारे और बाबा खान आदि ने बहुत सराहा। कार्यक्रम मे प्रशांत शंभरकर ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन एवं, उपस्थित सभी दर्शकों, कलाकारों और बच्चों का आभार संयोजक युवराज चौधरी ने अपने शब्दों में व्यक्त किया।

दिघोरी में किसानों के लिए खेत में मार्गदर्शन सभा का आयोजन

कामठी.

दिघोरी में अजय डांगरा के खेत में किसानों के लिए खरीफ फसल सीजन की विभिन्न फसलों की योजना के संबंध में एक मार्गदर्शन सभा का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि अजय डांगरा के खेत में आयोजित इस सभा में सहायक कृषि पी.ए. कडभाने और अश्विनी साखरे ने किसानों को खरीफ फसल सीजन में मिट्टी परीक्षण और भूमि स्वास्थ्य कार्ड वितरण अभियान के तहत मिट्टी के नमूने निकालने की सही विधि के बारे में मार्गदर्शन दिया।

इसके साथ ही, बीज उपचार अभियान के तहत धान के बीजों को 3% नमक के घोल से बीज उपचार करने और घरेलू परीक्षण विधि से बीज अंकुरण क्षमता जांच प्रदर्शन अभियान के तहत सोयाबीन के बीजों की अंकुरण क्षमता का परीक्षण करके जानकारी दी गई। किसानों को एग्रीस्टैक के तहत फार्मर आईडी निकालने के लिए भी विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। सभा में दिघोरी निवासी स्वर्गीय दिलीप थेरे, जिनकी आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई और उन्हें गोपीनाथ मुंडे दुर्घटना बीमा के बारे में जानकारी देकर विस्तृत चर्चा और मार्गदर्शन किया गया। सभा में भाऊसाहेब फुंडकर फलबागान योजना, ड्रिप सिंचाई और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस कृषि सभा में गांव के किसान अजय डांगरा, सुरेश राउत, तुषार थेरे सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

पेंढारी में जंगली भैंसे का हमला, चरवाहा गंभीर रूप से घायल

वन्यजीवों से सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में बढ़ी चिंता, सहायता की मांग तेज

सावनेर. सावनेर तालुका के अंतर्गत आने वाले पेंढारी गांव के खेत क्षेत्र में शनिवार को एक गंभीर घटना घटी, जब एक जंगली भैंसे ने चरवाहे पर हमला कर दिया। इस हमले में 55 वर्षीय देवचंद बाजीराव उइके गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें ग्रामीणों की मदद से तत्काल सावनेर के पाटिल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवचंद उइके अपने साथियों हरिभाऊ इवानते और विश्वेश्वर उइके के साथ प्रतिदिन की भांति अपने मवेशियों और बकरियों को चराने के लिए पेंढारी के शिवरा इलाके में गए थे। जब मवेशी चर रहे थे, तभी अचानक एक जंगली भैंसा दौड़ता हुआ आया और उसने देवचंद उइके पर जोरदार हमला कर दिया। भैंसे ने उन्हें अपनी सींगों से उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उन्हें छाती में गंभीर चोटें आईं। देवचंद के साथी हरिभाऊ और विश्वेश्वर ने साहस दिखाते हुए भैंसे को भगाया और घायल देवचंद को गांववालों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनका इलाज सावनेर के पाटिल अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह कोई पहली घटना नहीं है। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले भी इसी जंगली भैंसे ने दशरथ उइके और कपूरचंद वरखड़े पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। पेंढारी और आसपास के क्षेत्र जंगल से सटे होने के कारण किसान, मजदूर और गोरखा रोजाना इस प्रकार के खतरे का सामना कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही खापा क्षेत्र के आरएफओ सचिन आठवले, राउंड ऑफिसर सतीश गाडलिंगे, वनरक्षक महेश कुथे ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष और चिंता का माहौल है। गांव के प्रमुख नागरिक रविंद्र काकड़े, गेंदलाल बावनकुले, कुणाल शेंद्रे, मोहन बावनकुले, अजीत उइके, विकेश धुर्वे समेत अन्य लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि गरीब और गंभीर रूप से घायल देवचंद उइके को तुरंत वन विभाग की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा और आर्थिक सहायता दी जाए। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन होने वाली इस तरह की घटनाएं वन्यजीवों की बढ़ती संख्या और उनके बस्तियों के करीब पहुंचने का परिणाम हैं। वन विभाग को चाहिए कि वह इस दिशा में शीघ्र उचित कदम उठाए, ताकि ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गुमथाला में पांधन सड़क निर्माण का भूमिपूजन

कामठी. तहसील के गुमथाला ग्राम पंचायत के अंतर्गत, मातोश्री ग्राम समृद्धि खेत पांधन योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पांधनण सड़क के निर्माण का भूमिपूजन किया गया। राज्य के राजस्व मंत्री और नागपुर जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे के स्थानीय कोष से, मातोश्री ग्राम समृद्धि खेत पांदण योजना के तहत तुलजाभवानी कॉलेज से संतोषराव माळोदे के खेत तक जाने वाली पांधन सड़क के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस निर्माण कार्य का भूमिपूजन नागपुर जिला भाजपा महामंत्री अनिल निधान के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरपंच प्रणाली डाफ, उपसरपंच महेश काकडे, कडोली के सरपंच लक्ष्मण करारे, भोवरी के सरपंच ऋषी भेंडे, सुनील डाफ, योगेश डाफ, प्राजल वाघ, लोकेश माळोदे, प्रवीण निंबुलकर, ज्ञानेश्वर कुहिते, सुरेश ढोले, खुशाल डाफ, रवी लांडे, चंद्रशेखर डाफ, संजय तंटे, प्रकाश मोहोल, शंकर डाफ, नरेश डाफ, सागर वानखेडे, नामदेव लुटे, शेषराव वानखेडे, जगदीश डाफ, सुरेश डाफ, चक्रधर ढोले, रवींद्र मते, यशवंत चिखलकर, हेमराज चौधरी, श्रावण डाफ, राहुल बोंद्रे, सुमित राऊत और विनोद वाट उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन योगेश डाफ ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

अवैध मांस बिक्री पर खापा पुलिस की छापेमारी, तीन आरोपी हिरासत में

सावनेर.

तहसील के खापा क्षेत्र में अवैध रूप से मांस की बिक्री किए जाने की गुप्त सूचना पर खापा पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर पर छापा मारा। यह कार्रवाई सुबह करीब 11 बजे के आसपास की गई, जिसमें तीन मांस विक्रेताओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, खापा पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र के एक रिहायशी इलाके में गुपचुप तरीके से अवैध मांस की बिक्री की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित कर कार्रवाई का जाल बिछाया।

पुलिस निरीक्षक विशाल गिरी के नेतृत्व में छापा मारकर संबंधित स्थान से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया. मौके पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम को भी बुलाया गया था। पशु चिकित्सकों ने बरामद मांस की जांच की और पशु संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उसका विधिवत निपटान किया।

इस पूरे अभियान का मार्गदर्शन उपविभागीय पुलिस अधिकारी व सहायक पुलिस अधीक्षक अनिल म्हस्के द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है और मांस की खरीद-बिक्री से संबंधित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया था, लेकिन जल्द ही पशु संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आरोप तय कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला क्षेत्र में कानून व्यवस्था और पशु संरक्षण कानून के प्रति सजगता का उदाहरण है। खापा पुलिस द्वारा की गई इस तत्परता से स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें ऐसी कोई अवैध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय पर उचित कदम उठाया जा सके।

बावनकुले की उपस्थिति में दूधराम सव्वालाखे ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं सहित थामा भाजपा का दामन

रामटेक. नगरधन गांव में आयोजित एक भव्य भाजपा कार्यकर्ता मेलावा और पक्षप्रवेश कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील केदार के विश्वासपात्र रहे पूर्व जिला परिषद सदस्य दुधराम सव्वालाखे ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय पदाधिकारियों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में प्रवेश किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, राजस्व मंत्री तथा नागपुर जिल्हा पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले थे। उन्होंने नगरधन क्षेत्र को विकास निधि की कोई कमी न होने देने का भरोसा दिलाया और नए कार्यकर्ताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा में सभी को समान अवसर मिलेगा।

पालक मंत्री डॉ. पंकज भोयर का जनता दरबार

> 270 याचिकाकर्ताओं से सीधा संवाद, रातभर चलता रहा समस्याओं का समाधान

वर्धा.

जिले के नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल करते हुए पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने वर्धा जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय जनता दरबार में 270 याचिकाकर्ताओं से सीधा संवाद किया। यह दरबार देर रात तक जारी रहा, जहां पालकमंत्री ने अंतिम याचिकाकर्ता तक उपस्थित रहकर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए।

इस जनता दरबार में जिले भर से आए नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शिकायतें, समस्याएं और याचिकाएं सीधे पालकमंत्री के समक्ष रखीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें जिला कलेक्टर नरेंद्र फुलझेले, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितिन रहमान, जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, निवासी उपजिलाधिकारी श्रीपति मोरे सहित सभी विभाग प्रमुख मौजूद रहे।

जनता दरबार के लिए जिले के विभिन्न तालुकों से 270 नागरिकों ने अपनी समस्याओं को लेकर पंजीकरण कराया था। प्रत्येक तालुका के लिए अलग-अलग टेबल लगाए गए थे और शिकायतकर्ताओं को टोकन नंबर देकर व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत बातचीत की व्यवस्था की गई थी। दोपहर 1.30 बजे से शुरू हुए इस दरबार में पालकमंत्री ने सभी याचिकाकर्ताओं से आत्मीयता से संवाद किया।

समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश : पालकमंत्री डॉ. भोयर ने शिकायतों को श्रेणीनुसार वर्गीकृत करने और जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उन पर तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए। वहीं जिन याचिकाओं में समय लगता है, उनके लिए तय समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सभी विभाग प्रमुखों को यह भी निर्देशित किया गया कि समय-समय पर की गई कार्रवाई का सारांश प्रस्तुत किया जाए।

प्रशासन को दिए स्पष्ट संकेत : पालकमंत्री ने कहा कि नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जिला या मंत्रालय तक न आना पड़े, इसका ध्यान स्थानीय प्रशासन को रखना होगा। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न उठाया कि आखिर क्यों स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता? उन्होंने कहा, "अगली बार दरबार में भीड़ कम हो, इसके लिए सभी विभागों को समर्पण भाव से कार्य करना होगा।"

योजना लाभार्थियों को वितरित किए गए लाभ : कार्यक्रम की शुरुआत में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरित किए गए। इसमें मुख्यमंत्री सहायता निधि, संजय गांधी निराधार योजना, सिंचाई कुआं कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, जाति प्रमाणपत्र, स्कूल बसों का वितरण और जंगली जानवरों से प्रभावितों को सहायता राशि शामिल रही। नायब तहसीलदार अजय धर्माधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अंतिम याचिकाकर्ता तक सुनी शिकायत : पालकमंत्री डॉ. भोयर ने दरबार की शुरुआत में ही घोषणा की थी कि जब तक अंतिम व्यक्ति की बात नहीं सुन ली जाती, वे दरबार से नहीं उठेंगे। उन्होंने यह वादा निभाते हुए अंतिम याचिकाकर्ता तक दरबार में उपस्थित रहकर उनका समाधान सुनिश्चित किया।

जनता ने जताया संतोष, प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना

जनता दरबार में भाग लेने वाले नागरिकों ने पालकमंत्री की कार्यशैली की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया कि उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। इस पहल को एक जन-हितैषी कदम मानते हुए आम लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह उनकी आवाज को प्राथमिकता दी जाएगी। यह जनता दरबार न सिर्फ प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास था, बल्कि एक सक्रिय और उत्तरदायी शासन प्रणाली की मिसाल भी बन गया।

खेक खेत शिवरा में पुलिस की छापेमारी

जुए के अड्डे से 7.56 लाख का माल जब्त 14 आरोपियों पर केस दर्ज, कई फरार

समुद्रपुर.

खेक खेत शिवरा गांव में जुए के अड्डे पर गिरड़ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.56 लाख रुपये का माल जब्त किया है और जुआ खेलते 14 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और स्थानीय नागरिकों में पुलिस की तत्परता की सराहना की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार 7 जून की शाम करीब 6 बजे गिरड़ पुलिस थाने के थानेदार विकास गायकवाड़ को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि खेक खेत शिवरा में एक खेत में बड़ी संख्या में लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थानेदार गायकवाड़ ने अपनी टीम के साथ तत्काल छापेमारी की योजना बनाई और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो खेत में जुआ खेलते कुल 14 व्यक्ति पाए गए। इनमें से 8 आरोपियों को पुलिस ने मौके से हिरासत में ले लिया, जबकि 6 आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों के पास से कुल 64,300 रुपये नकद, 8 मोबाइल फोन जिनकी कुल कीमत 1,92,000 रुपये है, 9 दोपहिया वाहन जिनकी अनुमानित

कीमत 5,00,000 रुपये है, तथा 450 रुपये के 9 जुआ पैकेट बरामद किए गए। कुल मिलाकर 7,56,750 रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई।

यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक सागर कवड़े के मार्गदर्शन और उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोशन पंडित के निर्देश पर की गई। टीम का नेतृत्व थानेदार विकास गायकवाड़ ने किया। इस कार्रवाई में पुलिस उपनिरीक्षक गोमेद पाटिल, परमेश्वर झांबरे, सचिन ठाकरे, प्रफुल्ल हेडाऊ, अमर धोटे, नितेश नागोसे, प्रेमदेव सराटे, मनोज पानचोरे, गणेश मते, गणेश इंगले, होमगार्ड राजेश लाजुरकर और अन्य आठ पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अड्डे के पीछे कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है। मामले की गहन जांच जारी है।

यह कार्रवाई गिरड़ पुलिस की सतर्कता और अपराध पर नियंत्रण के लिए उनकी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण मानी जा रही है। स्थानीय लोग भी इस कार्रवाई से राहत महसूस कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि ऐसे गैरकानूनी कृत्यों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण की रक्षा करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य : पं. शंकर प्रसाद अग्निहोत्री

गांधी सिटी पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

वर्धा.

'पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है,' यह प्रेरणादायी बात प्रख्यात विचारक और समाजसेवी पं. शंकर प्रसादजी अग्निहोत्री ने गांधी सिटी पब्लिक स्कूल, वर्धा में आयोजित पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के अवसर पर कही। इस कार्यक्रम में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

उन्होंने भारत के संविधान के अनुच्छेद 51-ए (जी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अनुच्छेद हमें स्पष्ट रूप से निर्देश देता है कि "वन, झील, नदी और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना तथा जीवों के प्रति दया रखना प्रत्येक भारतीय नागरिक का कर्तव्य है।"

पं. अग्निहोत्री ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व से जुड़ा हुआ एक गहन उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा, "वृक्ष संरक्षण का अर्थ केवल पेड़ लगाना नहीं, बल्कि उसकी नियमित देखभाल करना, उसे पानी देना, कीटों से सुरक्षा देना और उसकी वृद्धि में सहायक बनना भी है। साथ ही हमें प्रदूषण कम

करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में भी ईमानदारी से प्रयास करने चाहिए।"

उन्होंने उपस्थित छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज जब विज्ञान और तकनीकी विकास चरम पर हैं, तब इसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। आधुनिकता, औद्योगीकरण और तकनीकी प्रगति के कारण पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। वनों की अंधाधुंध कटाई, जलस्रोतों का क्षरण और हवा में बढ़ता प्रदूषण – ये सभी मानव के लालच और लापरवाही के परिणाम हैं। पं. अग्निहोत्री ने चेताया कि यदि हमने समय रहते पर्यावरण की रक्षा नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। "ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं और बीमारियां – यह सब हमें सचेत कर रहे हैं कि अब भी वक्त है जागने का," उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रिया मिश्रा, समाजसेवी देशमुख, अभिजीत रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। छात्रों ने भी इस अवसर पर पर्यावरण विषय पर पोस्टर, निबंध और कविता प्रस्तुत कर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में पं. अग्निहोत्री ने सभी से अपील की कि पर्यावरण की रक्षा को केवल एक दिन का आयोजन न मानें, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। "अगर हम आज एक पेड़ लगाते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक जीवन देते हैं," उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा।

इस अवसर पर विद्यालय द्वारा "हरित भारत, सुरक्षित भविष्य" का संकल्प लिया गया और सभी को अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की प्रेरणा दी गई।

बोर टाइगर रिजर्व में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

धरती को मां मानते हैं तो उसका तापमान न बढ़ाएं : संजय इंगले तिगांवकर

वर्धा.

'अगर हम धरती को मां कहते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी गतिविधियों से उसका सिर गर्म न हो,' यह प्रेरणादायक संदेश मानद वन्यजीव संरक्षक संजय इंगले तिगांवकर ने बोर टाइगर रिजर्व में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में दिया। कार्यक्रम का आयोजन धनेश पर्यटन भवन में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि वन परिक्षेत्र अधिकारी अर्चना नौकरकर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समुदाय की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन न होकर, पूरे वर्ष भर चलने वाली एक सतत पहल की शुरुआत होनी चाहिए। उन्होंने

क्षेत्र के सभी शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के लिए संकल्प लें और इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

संजय इंगले तिगांवकर ने अपने संबोधन में ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए कहा कि आज प्लास्टिक धरती, जल, वनों और वायु को प्रदूषित कर रहा है। इसके अनावश्यक और अत्यधिक उपयोग पर रोक लगाना अब समय की मांग है। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, वृक्षारोपण करने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर वनरक्षक राधा साखरे ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए बोर टाइगर रिजर्व के जलाशयों के आसपास फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों के वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया। अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से वृक्षारोपण कर इस मुहिम की शुरुआत की गई। इस पहल में कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभाग लिया, जिनमें क्षेत्र सहायक दिनेश फटिंग, गणेश अलोकर, एस.ए. श्रीरामे, वनरक्षक प्रज्वल पोटे, अमोल चव्हाण, प्रतीक्षा भांगे, कुणाल बनोटे, ए.एन. येत्ते, वी.डी. पातले, ए.डी. सेलोटे, एम.डी. मसराम, एल.एस. भोवते, ए.आर. चव्हाण, योगेश कानडे, मयूर मसराम, मनोज लाखे, श्रावण, रूपेश मस्के, प्रकाश सरमाके, हरि कोवार, रमेश कोवार आदि शामिल थे। कार्यक्रम में सभी उपस्थितों ने यह संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण को एक दिन की गतिविधि तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि इसे अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएंगे। बोर टाइगर रिजर्व का यह आयोजन पर्यावरण के प्रति जागरूकता और कर्तव्यबोध का सशक्त उदाहरण बन गया है।

किसानों को मृग नक्षत्र की बारिश का इंतजार

> कृषि विभाग की निष्क्रियता पर उठे सवाल

हिंगनघाट.

खरीफ सीजन की तैयारी में जुटे किसानों की निगाहें अब मृग नक्षत्र की बारिश पर टिकी हैं, जो 7 जून से शुरू हो चुका है। खेतों की जुताई के बाद अब किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन मानसून की बेरुखी और कृषि लागत की महंगाई ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है।

पिछले वर्ष खरीफ और रबी – दोनों ही सीजन में मौसम की मार और बाजार की गिरती कीमतों ने किसानों की कमर तोड़ दी थी। इस बार भी खरीफ सीजन में बुआई से पहले बीज और खाद के दामों में आई भारी वृद्धि ने किसानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। बाजारों में उन्नत बीज और खाद की उपलब्धता जरूर है, लेकिन बढ़े हुए दाम आम किसानों की पहुंच

से बाहर हो गए हैं। ऐसे में किसान मांग कर रहे हैं कि कृषि विभाग हस्तक्षेप कर बीज और खाद की आपूर्ति नियंत्रित कीमतों पर सुनिश्चित करे। अब तक कुछ किसानों ने मृग नक्षत्र के आरंभ के साथ बुआई की शुरुआत कर दी है, लेकिन अधिकांश किसान बारिश के अभाव में अभी भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। कपास और सोयाबीन जैसी फसलें बुआई के लिए तैयार हैं, लेकिन पर्याप्त नमी के बिना जोखिम उठाना संभव नहीं। इस बीच किसानों का कहना है कि कृषि विभाग सिर्फ कागजी योजनाओं तक सीमित रह गया है। किसान पूछ रहे हैं कि क्या कृषि विभाग की जिम्मेदारी केवल कुछ शिविर लगाकर फोटो खिंचवाने तक ही सीमित है? क्या विभाग वास्तव में किसानों की जरूरतों को समझता है? "कृषि विभाग किसानों के लिए कब मैदान में उतरेगा? क्या खरीफ सीजन के इस संकट में भी विभाग केवल ठंडी कुर्सियों पर बैठकर योजना बनाता रहेगा?" किसानों की यह पीड़ा केवल एक वर्ग की नहीं, बल्कि देश के अन्नदाताओं की व्यापक चिंता है। यदि समय रहते सरकारी विभाग सक्रिय नहीं हुए, तो खरीफ सीजन का संकट और गहराना तय है।

बहुजन रैयत परिषद महिला आघाड़ी शाखा का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न

वर्धा.

मौजा दापोरी में बहुजन रयत परिषद महिला आघाड़ी शाखा का उद्घाटन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता बहुजन रैयत परिषद के विदर्भ एवं जिला अध्यक्ष श्री अजय डोंगरे ने की। उद्घाटन फीता काटकर महिला जिला अध्यक्ष हीरा खड़से ने किया।

इस अवसर पर अजय डोंगरे ने परिषद की नीतियों और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बहुजन रैयत परिषद डॉ. प्रा. लक्ष्मण ढोबले के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र भर में सामाजिक, शैक्षणिक और न्याय आधारित नीतियों पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एड. कोमल सालुंखे, जो कि परिषद की महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष हैं, उनके नेतृत्व में संगठन महिलाओं के अधिकारों एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान बहुजन रैयत परिषद महिला आघाड़ी की दापोरी शाखा की नई टीम की घोषणा भी की गई। सभी पदाधिकारियों को परिषद की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान कर विधिवत रूप से नियुक्त किया गया।

इस उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नारायण आमटे (अन्नाभाऊ साठे पुरस्कार प्राप्तकर्ता), उपसरपंच गणेश कामनापुरे, पुलिस पाटिल किशोर वाघमारे, उपाध्यक्ष ओम बावने एवं विनोद आमटे, अध्यक्ष सरला डोंगरे, सुभाष सरकटे (तालुका आर्वी), गंगाधर पडघान (अडेगांव शाखा अध्यक्ष), सुनील पोटफोड़े (सालोड शाखा अध्यक्ष) आदि मान्यवर उपस्थित थे। गांव की महिलाओं ने एकजुट होकर महिला आघाड़ी की स्थापना में भाग लिया और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी से कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

किसानों की सोयाबीन 4,300 रुपये

जबकि कंपनी के बीज 11,000 रुपये; किसान परेशान

अमरावती.

इस समय बुवाई का सीजन है। इसके चलते किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। उन्हें खरीफ सीजन की नकदी फसल सोयाबीन बेचकर नए सीजन का खर्च चलाना है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि किसानों द्वारा बड़ी मात्रा में उगाई गई सोयाबीन का दाम मात्र 4,300 रुपये मिल रहा है, जबकि उसी किस्म के बीज के लिए 10,000 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं।

मूल रूप से इस क्षेत्र के किसानों का आर्थिक गणित सोयाबीन पर आधारित है। लेकिन जब सोयाबीन की उपज निकलती है, तो किसानों को उसका दाम नहीं मिलता, यह एक आम समस्या है। इस समय सोयाबीन का बाजार भाव 4,300 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि 30 किलोग्राम सोयाबीन बीज के लिए उन्हें 3,300 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं, यानी 11,000 रुपये प्रति क्विंटल (30 किलो के बैग के लिए 3,300 रुपये)। एक तरफ कृषि उपज के अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बीज, खाद और कीटनाशकों के दामों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। भारी बारिश के कारण 2024-25 के खरीफ और रबी दोनों सीजन बर्बाद हो गए। इस साल यानी 2025-26 में मौसम विभाग ने अच्छी बारिश की संभावना जताई है। इसलिए किसान नई उम्मीद के साथ खरीफ सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। किसानों के साथ-साथ कृषि सेवा केंद्र और खाद-बीज की आपूर्ति करने वाले दुकानदार भी तैयार हैं। बाजार में नए-नए बीज बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

पीयूष इंफ्रा पर रेत चोरी का आरोप

वणा नदी संरक्षण समिति ने पत्र परिषद में उठाए गंभीर सवाल

हिंगनघाट/औरंगाबाद.

डंकिन क्षेत्र में स्थित वणा नदी से अवैध रूप से रेत निकालने के मामले में औरंगाबाद की पीयूष इंफ्रा कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस प्रकरण को लेकर वणा नदी संरक्षण समिति द्वारा आयोजित एक विशेष पत्र परिषद में प्रशासनिक कार्रवाई की निष्पक्षता और गंभीरता पर सवाल उठाए गए। समिति ने आरोप लगाया कि कंपनी ने बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के बांध निर्माण के दौरान भारी मात्रा में रेत की खुदाई की और इस रेत को अवैध रूप से निपटाया गया।

वणा नदी संरक्षण समिति ने क्षेत्र का निरीक्षण कर रेत खनन से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सबूत एकत्र किए। जांच में नायब तहसीलदार सागर कांबले और तलाटी सैयद अहमद शेख द्वारा 100 ब्रास रेत की पुष्टि की गई। इसके बाद तहसीलदार योगेश शिंदे ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को रेत की माप करने के आदेश दिए, जिसके तहत विभाग ने मात्र 63.10 ब्रास रेत की रिपोर्ट दी। इस आधार पर 14,57,610 रुपए का जुर्माना कंपनी पर लगाया गया।

समिति ने जुर्माने की राशि पर उठाए सवाल

पत्र परिषद में वणा नदी संरक्षण समिति ने

इस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जुर्माना अपर्याप्त है। समिति के अनुसार, चूंकि रेत मशीनों से निकाली गई थी, इसलिए यह खनिज चोरी का मामला बनता है और जुर्माना कम से कम चार गुना होना चाहिए था। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा अवैध खनन में उपयोग की गई मशीनों व परिवहन साधनों को जब्त नहीं किया गया है।

37 ब्रास रेत का क्या हुआ? : रेत माप में आए अंतर को लेकर समिति ने सवाल उठाया है कि यदि राजस्व विभाग के निरीक्षण में 100 ब्रास रेत थी और केवल 63.10 ब्रास रेत की रिपोर्ट दी गई, तो शेष 37 ब्रास रेत का क्या हुआ? समिति ने इस गड़बड़ी को लेकर प्रशासन की भूमिका पर संदेह जताया है।

मानव अवशेष मिलने पर भी कार्रवाई नहीं : समिति ने बांध खुदाई के दौरान मिले मानव अवशेषों के निस्तारण को लेकर भी पीयूष इंफ्रा और सिंचाई विभाग के खिलाफ कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई। इस मामले में अब तक कोई पुलिसिया कार्यवाही नहीं की गई, जिससे समिति ने गहरी नाराजगी जाहिर की।

न्यायालय का रुख करेगी समिति: प्रशासन की निष्क्रियता और ढीली कार्रवाई के चलते समिति ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। समिति ने प्रशासन से स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या कंपनी ने पर्यावरणीय नियमों का पालन किया था और नदी पर काम करते समय कोई सुरक्षा उपाय किए गए थे या नहीं।

पत्र परिषद में हुई खुली चर्चा

इस मुद्दे पर आयोजित पत्र परिषद में अनिल जवादे (विदर्भ विकास आघाडी), रुषेश लांजूरकर (वणा नदी संरक्षण समिति), प्रविन कडू (निसर्ग साथ फाउंडेशन), सुनिल डोंगरे (सामाजिक कार्यकर्ता) और रुग्णमित्र नेवारे सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन से पारदर्शी और कड़ी कार्रवाई की मांग की तथा नदी और पर्यावरण की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। वणा नदी संरक्षण समिति की यह पहल स्थानीय स्तर पर जल स्रोतों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन की निष्क्रियता और कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी से जनाक्रोश बढ़ रहा है। यदि समिति समय रहते हस्तक्षेप न करती, तो सरकार को एक से डेढ़ करोड़ रुपये के खनिज राजस्व का नुकसान हो सकता था। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन और न्यायपालिका इस प्रकरण में कितनी गंभीरता से कदम उठाते हैं।

सांसद अमर काले को सौंपा ज्ञापन

25 गांवों के विद्यार्थियों के लिए रेल सुविधा अत्यंत आवश्यक

वर्धा.

तुलजापुर रेलवे स्टेशन पर अमरावती-जबलपुर-अमरावती एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12159/12160) के ठहराव की मांग को लेकर वर्धा लोकसभा सांसद अमर काले के जनसंपर्क कार्यालय में एक स्मरण पत्र और ज्ञापन सौंपा गया।

सांसद अमर काले किसी अति आवश्यक कार्य से बाहर होने के कारण प्रतिनिधिमंडल ने जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि जबलपुर एक्सप्रेस 25 गांवों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा हेतु वर्धा, पुलगांव और अमरावती जैसे शहरों तक पहुंचने का सबसे उपयुक्त और एकमात्र सार्वजनिक साधन है। यह उल्लेखनीय है कि आगामी शैक्षणिक सत्र जल्द ही शुरू होने वाला है, लेकिन रेलवे प्रशासन द्वारा पहले दिए गए आश्वासन के बावजूद अब तक इस ट्रेन का ठहराव तुलजापुर स्टेशन पर शुरू नहीं किया गया है। इस समस्या को गंभीरता से उठाते हुए सांसद कार्यालय ने रेल मंत्रालय को पत्र लिखने का निर्णय लिया है और इस मुद्दे पर अमर काले स्वयं केंद्रीय रेल मंत्री से बैठक कर मार्ग निकालने की पहल करेंगे। ज्ञापन के साथ पूर्व सांसद रामदास तड़स का समर्थन पत्र, नागपुर रेल प्रबंधक, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दिए गए ग्यापनों की प्रतियां भी संलग्न की गई हैं। साथ ही 25 ग्राम

पंचायतों के प्रस्ताव और अब तक हुए आंदोलनों की ओसी (ऑफिशियल कॉपी) भी प्रस्तुत की गई।

इसके अतिरिक्त, मौजा किनाला में स्थित खदानों के कारण केलझर-दहेगांव-गोसावी मार्ग की अत्यंत खराब स्थिति, खनन वाहनों से उड़ती धूल से कृषि को हो रहे नुकसान और मुआवजा न मिलने को लेकर भी ज्ञापन में गंभीर चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में यह मांग की गई है कि जब तक इस मार्ग का पुनर्निर्माण नहीं होता और किसानों को न्याय नहीं मिलता, तब तक इस मार्ग पर खनन विभाग और पीडब्ल्यूडी की ओर से संचालित खदानों के भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की जाए। ग्राम पंचायत द्वारा दी गई एनओसी को रद्द करने की मांग भी इस ज्ञापन का हिस्सा रही। इस अवसर पर रामकिशोर शिंगनधुपे, प्रणय शेंद्रे, समीर आंबाडोले सहित कई ग्रामीण जन उपस्थित थे।

यह ज्ञापन न केवल शिक्षा के अधिकार की रक्षा की पहल है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी विकास और किसानों की समस्याओं को भी सामने लाता है।

मुख्यमंत्री फडणवीस आज करेंगे 'भारत गौरव ट्रेन - छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' का उद्घाटन

मुंबई.

महाराष्ट्र सरकार और भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन का अनुभव प्रदान करने के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' की घोषणा की है। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन आज से शुरू हो रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के तहत भारत गौरव ट्रेन को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हरी झंडी दिखाएंगे। यह कार्यक्रम उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री शंभुराज देसाई और पर्यटन राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक की मौजूदगी में आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन विभाग और महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम की भागीदारी से महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम और सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास के साक्षी ऐतिहासिक स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहती है।

इस 5 दिवसीय विशेष यात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों और इतिहास पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, और पर्यटन मंत्री शंभुराज देसाई ने पर्यटकों से इसका अनुभव लेने की अपील की है।

महाराष्ट्र सरकार के समन्वय से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर इस गौरवशाली ट्रेन का आगमन महाराष्ट्र की संस्कृति का एक भव्य नजारा होगा। भारत गौरव ट्रेन जिन स्थानों पर पहुंचेगी, वहां स्थित पर्यटन स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी पर्यटकों को प्रदान की जाएगी। आज से शुरू होने वाली यह ट्रेन पूरी तरह से बुक हो चुकी है और पर्यटकों द्वारा इसका खूब स्वागत किया गया है। सभी यात्रियों के अनुभव को सुखद और यादगार बनाने के लिए, आईआरसीटीसी के समन्वय में निगम के अधिकारी हर चरण पर मार्गदर्शन करेंगे। राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक ने कहा है कि पर्यटक रेलवे स्टेशन से लेकर महाराजा के किलों तक हर जगह इतिहास के पदचिह्नों को देखकर पर्यटन का आनंद ले सकेंगे। पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अतुल पाटने बहुमूल्य मार्गदर्शन दे रहे हैं। निगम के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सूर्यवंशी ने अपील की है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास की यह यात्रा महाराष्ट्र के पर्यटन को एक अलग आयाम देगी। इस उत्साहपूर्ण यात्रा में भाग लेकर हमें छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को आत्मसात करना चाहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए और नई पीढ़ी को यह इतिहास दिखाना चाहिए। निगम के सभी अधिकारी इस पहल के लिए समन्वय और कड़ी मेहनत कर रहे हैं और निगम छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों, महाराष्ट्र की समृद्ध परंपरा और लोक संस्कृति को सभी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) प्रस्तुत करता है - "छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट" विशेष पर्यटक ट्रेन - भारत गौरव पर्यटक ट्रेन।

यात्रा विवरण

यात्रा का नाम: छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट

प्रारंभ तिथि: 09 जून २०२५, अवधि: 5 दिन / 6 दिन की यात्रा (सुबह समाप्त), प्रारंभ और समाप्ति स्थान: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), मुंबई. अन्य आरोहण/उतरन स्टेशन: दादर, ठाणे. यात्रा का मार्ग- मुंबई (सीएसएमटी) - रायगढ़ - पुणे - शिवनेरी - भीमाशंकर - प्रतापगढ़ - कोल्हापुर - पन्हाला - मुंबई।

घूमने लायक प्रमुख स्थान : रायगढ़ किला - छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक यहीं हुआ था और यही राजधानी थी। लाल महल, पुणे - छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपना बचपन यहीं बिताया था। क़स्बा गणपति और शिवश्रुति, पुणे - पुणे के ग्राम देवता और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक संग्रहालय। शिवनेरी किला - छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग - 12 प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक। प्रतापगढ़ किला - अफजल खान पर ऐतिहासिक विजय का स्थल। कोल्हापुर - महालक्ष्मी मंदिर पनहाला किला - बाजीप्रभु देशपांडे की वीरता का प्रतीक।

पैकेज शुल्क (प्रति व्यक्ति): उपर्युक्त दौरे के लिए विभिन्न पैकेज तैयार किए गए हैं और कोई भी अपनी सुविधा के अनुसार इकोनॉमी (एसएल), कम्फर्ट (3 एसी), सुपीरियर (2 एसी) में से चुन सकता है। उक्त पैकेज के बारे में विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दी गई है।

पैकेज में शामिल सेवाएँ: भारत गौरव ट्रेन (एसएल / 3एसी / 2एसी) द्वारा यात्रा एसी / नॉन-एसी होटलों में आवास सभी स्थानों पर स्थानीय परिवहन और गाइड, जहाज पर और जहाज से बाहर शुद्ध शाकाहारी भोजन, यात्रा बीमा, सभी प्रवेश शुल्क (किले, मंदिर, रोपवे, शिवश्रुति आदि) सुरक्षा व्यवस्था।

दैनिक भ्रमण कार्यक्रम (संक्षिप्त):

दिन 1: मुंबई - रायगढ़ - पुणे। दिन 2: पुणे (लाल महल, शिवश्रुति, कस्बा गणपति)। दिन 3: शिवनेरी - भीमाशंकर - पुणे। दिन 4: प्रतापगढ़ - कोल्हापुर। दिन 5: कोल्हापुर - महालक्ष्मी मंदिर - पन्हाला किला - मुंबई। दिन 6: मुंबई (दौरा समाप्त)।

आरक्षण एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
आईआरसीटीसी वेबसाईट: www.irctctourism.com किंवा www.mtdc.co

बड़ा ताजाबाद में 'ईद उल-अजहा' के अवसर पर औलियानगर और अन्य मस्जिदों में अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गई.

अमेरिका ने खत्म किया नेपाल का अस्थायी संरक्षित दर्जा

वॉशिंगटन/काठमांडू.

अमेरिका ने नेपाल के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा समाप्त कर दिया है। इससे अमेरिका में रह रहे नेपालियों की मुश्किल बढ़ गई है। करीब 7,000 से अधिक नेपाली नागरिकों को लौटना पड़ सकता है। बता दें कि अमेरिका ने नेपाल को दिया गया अस्थायी संरक्षित दर्जा समाप्त करने का फैसला लिया है। यह दर्जा नेपाल को 2015 में आए विनाशकारी भूकंप के बाद दिया गया था। अमेरिकी गृह मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह दर्जा 24 जून 2025 को समाप्त हो जाएगा और इसके बाद इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नेपाल को यह दर्जा पहली बार शक्तिशाली भूकंप आने के दौरान दिया गया था, जिसने देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया था। इस निर्णय के पीछे यह तर्क था कि प्राकृतिक आपदा के कारण नेपाल में सुरक्षित रूप से वापस लौटना संभव नहीं था। अमेरिका में बिना किसी अन्य कानूनी दर्जे के रहने वाले लोगों को 18 महीने तक कानूनी रूप से रहने और काम करने की अनुमति मिलती है।

वर्तमान में अमेरिका में लगभग 12,700 नेपाली नागरिकों को टीपीएस प्राप्त है, जिनमें से 5,500 से अधिक लोग अब तक अमेरिका में कानूनी स्थायी निवासी बन चुके हैं। हालांकि टीपीएस समाप्त होने के बाद, अन्य लगभग 7,000 नेपाली नागरिकों को अब संभावित रूप से अमेरिका छोड़कर वापस नेपाल लौटना होगा, जब तक कि वे किसी अन्य कानूनी तरीके से अमेरिका में रहने का आधार नहीं बना लेते।

एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने कहा कि टीपीएस की मियाद समाप्त होने के बाद, प्रभावित व्यक्तियों को 5 अगस्त तक 60 दिन की अतिरिक्त अवधि दी जाएगी, ताकि वे अपने विकल्पों की समीक्षा कर सकें या वापसी की तैयारी कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय नेपाल में वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर लिया गया है, जहां अब जीवन सामान्य हो चुका है और टीपीएस जारी रखने की मूलभूत आवश्यकता समाप्त हो चुकी है।

जामसांवली में होटल को बार लाइसेंस देने का विरोध

> श्री हनुमान मंदिर संस्थान और स्थानीय निवासियों का प्रदर्शन

सौंसर.

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जामसांवली क्षेत्र के बजाज चौक स्थित होटल जैस्वाल इन को शराब परोसने की लिए जारी बार लाइसेंस के विरोध में शुक्रवार को श्री हनुमान मंदिर संस्थान (हनुमान लोक) और स्थानीय नागरिकों ने एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मंदिर संस्थान के पदाधिकारी, ट्रस्टीगण और बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भाग लिया। प्रदर्शन के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सौसर को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें होटल को जारी बार लाइसेंस को तत्काल रद्द करने की मांग की गई।

विरोध के पीछे कारण : जामसांवली वह स्थल है जो श्री हनुमान मंदिर में प्रतिदिन आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यह स्थान न केवल मध्यप्रदेश की बल्कि पूरे देश की आध्यात्मिक धरोहरों में शामिल है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर यहां 'हनुमान पथ' के निर्माण की घोषणा की थी। मंदिर संस्थान द्वारा गौ-पथ और गौ-वन विहार जैसी परियोजनाएँ भी यहां विकसित की जा रही हैं। ऐसे में मंदिर से सटे बजाज चौक क्षेत्र में बार संचालन की अनुमति देना न केवल श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है, बल्कि क्षेत्र के आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण वातावरण को भी प्रभावित करता है।

ज्ञापन और मांग : प्रदर्शन के दौरान हनुमान लोक संस्थान और स्थानीय निवासियों ने एकजुट होकर होटल जैस्वाल इन के बाहर विरोध दर्ज कराया। इसके पश्चात प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने मांग की कि धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने की लिए बार लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। संस्थान का कहना है कि यदि इस मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की ओर से आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

ब्रह्माकुमारी सेंटर में वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

सौंसर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गजानन कॉलोनी सौंसर सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अनुराधा दीदी ने की, वहीं सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार डॉ. गोपाल वंजारी और शासकीय हाईस्कूल रझाड़ी पिपला की प्राचार्य ममता वंजारी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। राजयोगिनी अनुराधा दीदी ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 24 जून, जो कि मातेश्वरी जगदंबा जी की पुण्यतिथि है, तक वृक्षारोपण अभियान जारी रहेगा। दीदी ने पर्यावरण संरक्षण को ईश्वरीय सृजन का एक अनिवार्य अंग बताया।

कार्यक्रम का संचालन बी.के. सारंग ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारी संस्थान के साधक भाई-बहन उपस्थित रहे और पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में भागीदारी निभाई।

'माइक्रोस्कोप के पीछे नहीं, निर्णय के केंद्र में हैं पैथोलॉजिस्ट!'

> 'अरे! अब तुम मरीज नहीं देखोगी? ये कौन-सा डॉक्टर बनेगी?'

नागपुर.

यह शब्द मेरे पिता के थे, जब मैंने पैथोलॉजी में पीजी करने का फैसला लिया। उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि माइक्रोस्कोप के पीछे बैठा व्यक्ति भी एक एमबीबीएस डॉक्टर होता है। परिवार की पहली उच्च शिक्षित बेटी होने के नाते, मेरे पिता को मेरे क्लिनिशियन बनाने का सपना था. एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय डॉक्टर। लेकिन मेरा झुकाव, अनुभव और रुचि मुझे माइक्रो स्तर पर रोग की गहराई समझने की ओर ले गया. अर्थात पैथोलॉजी की ओर। मैंने मुंबई के नामचीन केईएम अस्पताल में एनेस्थेसिया छोड़ जीएमसी मिरज से पैथोलॉजी की राह चुनी। वर्षों बाद, जब मेरे पिता को मल्टीपल मायलोमा हुआ और उन्हें बोन मैरो बायोप्सी, फ़नाक और कई जांचों से गुजरना पड़ा. तभी उन्होंने पहली

डॉ. मंजीत कौर राजपूत
कंसल्टेंट ऑन्कोपैथोलॉजिस्ट

बार जाना कि क्लिनिकल निष्कर्ष तब तक अधूरे हैं, जब तक पैथोलॉजिस्ट द्वारा पुष्टि न हो जाए। आज, पैथोलॉजी मात्र अंधेरे लैब में बैठा हुआ कोई सहायक विज्ञान नहीं रहा। हम अब अस्पताल की एमडीटी (मल्टीडिसिप्लिनरी टीम) का हिस्सा हैं. जहां कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का निदान हमारे अंतिम शब्द से तय होता है। छोटे से बायोप्सी स्लाइड पर देखी गई एक झलक, किसी मरीज के पूरे उपचार की दिशा तय कर सकती है। अब समय है कि हम खुद को 'आधुनिक हिस्टोपैथोलॉजिस्ट' में ढालें जहाँ पारंपरिक माइक्रोस्कोपी के साथ-साथ हम मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स, एनजीसी (नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों को अपनाएं। एआई हमारा विकल्प नहीं बल्कि हमारे अनुभव का विस्तार है। अब आवश्यकता है कि समाज को, और खासकर अपने नज़दीकी लोगों को, हमारे काम की अहमियत समझाई जाए. ताकि वे भी हमें एक विशेषज्ञ डॉक्टर के रूप में पहचानें, जो मरीज की जिंदगी के निर्णायक मोड़ पर खड़ा होता है।

डॉ. प्रवीण सहावे ने दिया अंतरराष्ट्रीय 'प्रोकटोहिता 2025', में व्याख्यान

हैदराबाद.

जून 2025 प्रख्यात कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. प्रवीण सहावे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित चिकित्सीय संगोष्ठी "प्रोकटोहिता 2025" में अपने प्रभावशाली व्याख्यान और लाइव सर्जरी प्रदर्शन के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया। यह सम्मेलन हैदराबाद में आयोजित किया गया था, जिसमें भारत सहित कई देशों के शल्य चिकित्सक, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और चिकित्सा अनुसंधानकर्ता शामिल हुए। डॉ. सहावे ने बवासीर (पाइल्स), भगंदर (फिस्टुला) और फिशर जैसी गुदा संबंधित बीमारियों पर अपने अनुभव और आधुनिक उपचार विधियों को साझा किया। उनका व्याख्यान "मिनिमालय इनवेसिव प्रॉक्टोलोग्य" (कम से कम कट-फाट की गुदा रोग शल्यचिकित्सा) विषय पर आधारित था, जिसे विशेषज्ञों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई। इस अवसर पर उन्होंने एक लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया, जिसमें उन्होंने उन्नत

तकनीक और दर्दरहित शल्यचिकित्सा की नवीनतम विधियाँ दिखाईं। नागपुर स्थित अभ्युदय पाईल्स लेजर हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. सहावे को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और नवोन्मेषी उपचार पद्धतियों के लिए देश-विदेश में सराहा गया है। "प्रोकटोहिता 2025" में उनकी भागीदारी महाराष्ट्र और भारत के लिए गौरव का विषय है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
डॉ प्रवीण सहावे, डॉ पूजा सहावे
अभ्युदय पाईल्स लेजर हॉस्पिटल महापुष्प सोसायटी, शताब्दी चौक नागपुर
www.pilesfistulacure.com फ़ोन: +91-9970743318

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा की बिडगावं में तिरंगा यात्रा

कामठी.

पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद, भारतीय सेना को धन्यवाद देने और उनके समर्थन में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बिडगावं नगर पंचायत में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक टेकचंद सावरकर के हाथों भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नागपुर जिला भाजपा महामंत्री अनिल निधान, पंचायत समिति पूर्व सभापति उमेश रडके, अनिता चिकटे, रमेश चिकटे, कामठी तालुका भाजपा अध्यक्ष सचिन घोडमारे, प्रांजल वाघ, किरण राऊत, योगेश डाफ, लक्ष्मण करारे, ऋषी भेंडे, सचिन डांगे, नेहा राऊत, प्रमोद कातोरे, भूमीता कातोरे, निकिता कातोरे, निकेश कातोरे आदि की उपस्थिति में तिरंगा यात्रा 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारों के साथ बिडगावं से विभिन्न मार्गों से नगर का भ्रमण करते हुए बिडगावं नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में देश के वीर सपूतों को नमन और अभिवादन कर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में नागरिक हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का जयघोष करते हुए शामिल हुए थे।

शुभांक		
श्रीदेवी	279-8	590-4
श्रीदेवी नाईट	233-8	170-8

जिले में मानसून की जोरदार दस्तक तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित

यवतमाल.

जिले में मानसून ने जोरदार दस्तक दी है। कळंब, जोडमोहा, मेटीखेडा, नांझा और डोंगरखडा सहित कई गांवों में मंगलवार शाम से तेज आंधी और बिजली कड़कने के साथ मुसलधार बारिश जारी है। इस बारिश ने जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं बागायती और खरीफ फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। बारिश के चलते मूंग, तिल, भुईमूंग जैसी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। तेज आंधी के कारण कई घरों की छतें उड़ गईं, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं। कई क्षेत्रों में रातभर बिजली गुल रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। गलियों, सड़कों पर पानी भर गया है जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को खासी दिक्कत हो रही है। कई स्थानों पर घरों में पानी घुसने की भी खबरें सामने आई हैं।हवामान विभाग ने अगले 3 दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही राज्य के कुछ हिस्सों को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है।